बजट में कपड़ा कारोबारियों को राहत

प्रतिक्रिया

नई दिल्ली | सौरभ शुक्ल

आम बजट में टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए 12,282 करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष आवंटन किया गया है। साथ ही 10-11 हजार करोड़ रुपए की रकम का फायदा इस क्षेत्र को फाइनेंस बिल के जरिए मिल सकता है। बजट पर हिंदुस्तान से खास बातचीत में टेक्सटाइल सचिव उपेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बजट में कारोबारियों की तमाम मुश्किलें दूर करते हुए मिशन आत्मनिर्भरभारत को प्रोत्साहित करने का प्रयास हुआ है।

उन्होंने बताया कि वैसे तो सभी क्षेत्रों में हुए ऐलानों का फायदा टेक्सटाइल को भी मिलेगा। लेकिन अब मंत्रालय का फोकस घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर रहेगा। इसके अलावा ऐसी मशीनें बनाने पर इंसेंटिव भी मिलेगा जो भारतीय कारोबारियों की परिस्थितियों और यहां के कच्चेमाल के हिसाब से उत्पाद बना सकें।

कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ेगी

टेक्सटाइल सचिव का कहना है कि इस बजट में सिल्क समग्र-2 योजना के तहत 875 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। इसमें कच्चे माल के लिए प्लांटेशन किया जाएगा। देश में मौजूदा दौर में कच्चे माल की जरूरत 38,500 टन घरेलू जरूरतों के लिऐ है। अभी 35,000 टन की उपलब्धता है। सरकार सिल्क की क्वालिटी सुधारने पर भी फोकस करेगी। साथ ही स्पिनिंग के लिए जरूरी मशीनों पर भी नए सिरे काम होगा। गारमेंट प्रोडक्शन के लिए आत्मनिर्भर भारत मशीनरी बनाने के लिए अलग रकम का प्रावधान है। बजट में निर्यातकों को चुनिंदा चीजों पर ड्यूटी फ्री आयात की इजाजत फिर से दे दी गई है। ये छूट उन सामानों पर होगी जिनका उत्पादन तो देश में होता है लेकिन कुछ चीजें विदेशी भी लगी होती हैं। ऐसे उत्पादन के लिए जो भी सामान आयात किया जाएगा, उस पर टैक्स नहीं लगेगा।